बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी-प्रतिवेदन

[भाग—1 कार्यवाही—प्रश्नोत्तर]

1336/4

मंगलवार, तिथि 9 जनवरी, 1979 ई०

विषय-सूची

पृष्ठ

प्रश्नों के लिखित उत्तर : बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम 4 (ii) के परन्तुक के अंतर्गत

अनागत प्रश्नों के लिखित उत्तर :

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :

अल्प सूचित प्रश्नोत्तर संख्या : 11 14, एवं 15 -- -- 1—8

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या : 363, 378, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 930, 932, एवं 935। -- 8—32

परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर) : -- -- 33—578

दैनिक निबंध -- -- 579—580

टिप्पणी : जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है; उनके नाम के पीछे (*) चिह्न लगा दिया गया है।

मो० शरीफ का पता लगाना ।

ए-165 । **श्री छतुराम महतो**—क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मो० शरीफ जो उत्तरी कोयल निर्माण प्रमंडल में चपरासी का कार्य करते थे । 1976 के दिसम्बर माह से ही कार्य स्थान से लापता है;

(2) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो, क्या सरकार मो० शरीफ का पता लगाना चाहती है, यदि हाँ तो कबतक, यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(2) सरकारी मो० शरीफ का पता लगाना चाहती है तथा इसके लिए आवश्यक कार्रवाई आरक्षी अधीक्षक पलामू द्वारा की जा रही है ।

श्री एच० वी० लाल के विरुद्ध कार्रवाई

य-33 । **श्री जगदीश चौधरी**—क्या मंत्री, विद्युत् विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि श्री एच० वी० लाल, जेनरल मैनेजर, दरभंगा, जो पूर्णिया में अधीक्षक अभियंता थे, को भूतपूर्वक मुख्य मंत्री श्री अब्दुल गफूर ने भ्रष्टाचार के आरोप में 1974 में निम्नलिखित किया था ;

(2) यदि खण्ड (1) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो श्री लाल को प्रोन्नति कर दरभंगा में चीफ इंजिनियर-ने-जेनरल मैनेजर के रूप में पदस्थापित करने का क्या औचित्य था ?

(3) क्या सरकार श्री लाल के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, यदि नहीं, तो क्यों ?